चहकने की ललक

परिवर्तन
PARIVARTAN
समेकित ग्रामीण समुदाय विकास हेतु तक्षशिला की पहल

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

तक्ष शिला

अंक – अठारह, दिसम्बर 2020 – मार्च 2021

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों,
मैं हूँ चहकने की ललक। इस बार अंक 20 में मेरे बाल लेखकों ने मेरे बारे में बहुत कुछ अच्छा लिखा है। इससे पता चलता है कि मुझसे मिलने के बाद उन बाल लेखकों में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखकों ने मुझे खुद से तैयार किया है। सर्वप्रथम 2015 में मुझे प्रकाशित किया गया जिसमे मेरे बाल लेखकों ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया। उस दरमियाँ उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचना लिखते रहे। आशा करता हूँ कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखेंगे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है। इस अखबार में सभी बच्चे अपने-अपने कला को देखने का कोशिश करते हैं।

आपका साथी
चहकने की ललक

ख़ुशी कुमारी, गाँव रुईयां, कक्षा 6

मेरे गाँव की सड़के

मेरे गाँव की सड़के बहुत ज्यादा टूटे-फूटे है और बहुत ज्यादा गड्ढे है जिसके वजह से गाड़ियाँ नहीं आ पाती है और हमें बहुते कठिनाई होता है और हमें पैदल चलके आना पड़ता है। गाँव की सड़के पहले बहुत अच्छी थी। लेकिन अब बहुत ज्यादा ख़राब है। अगर गाँव की सड़के अच्छे से बन जाये तो हमारे गाँव में गाडियाँ आ पायेगी और हमें पैदल चलना नहीं पड़ेगा और हम आप सब के आभारी रहेंगे।

मेरा नाम यश राज है मैं 5वीं क्लास में पढता हूँ। मेरे गाँव के नाम रुइयां है।

हमार बोली

हम जावना स्कूल में पढ़ीला उहे स्कूल में एक मास्टर साहब रहलन हा। उ हमार बहुत ख्याल रखत रहलन हा। एकर कारण रहल ह कि हम अपन क्लास में सबसे अच्छा पढ़त रहनी। हमार कोई सामान घटी त उ हमरा के लाकर के दिहन एही से उ हमर सबसे अच्छा शिक्षक बारन हम उनकर बहुत सम्मान करीला। उ जहाँ मिलेलन हम उनकर पैर छुके प्रणाम करीला। हमरा खातीर उ हमर सबसे अच्छा शिक्षक बारन।

भगत कुमार, गाँव रुईयां, कक्षा 6

मेरा स्कूल

मेरे स्कूल का नाम डिवाइन पब्लिक स्कूल है। ये अभी नया स्कूल खुला है। ये स्कूल 12वीं तक है। इस स्कूल में अच्छी शिक्षा मिलती है। इस स्कूल में पढने के साथ-साथ खेल कूद भी होता है। इस स्कूल में सभी सुविधाये उपलब्ध है। इस स्कूल में आपके बच्चो को अच्छी शिक्षा मिलेगी। इस स्कूल के अध्यापक-अध्यापिका बच्चों पर ध्यान देते और शिक्षा देते है। और जानवरों पक्षी तथा भिन-भिन प्रकार की शिक्षा देते है।

नाम-दिव्यांशु कुमार गाँव रुइयाँ कक्षा-5

पहेली

1. काला घोडा गोरी सवारी एक के बाद एक की बारी
2. कहलाती है रात के रानी आँख से निकले हर-हर पानी
3. कपड़ा बिकते है बाजार में मगर सीता है कौन
4. कौआ उड़ता है आसमान में मगर रहता है कहाँ

(नाम-किरण कुमारी, गाँव बडहुलिया)

1. (रोटी), 2. (मोमबत्ती), 3. (राम की पत्नी), 4. (पानी में)

पेड़-पौधे

हमारे घर के बगल में आम अमरुद का पेड़ है। पर हमको अमरुद का पेड़ अच्छा लगता है। गर्मी के मौसम में आम का पेड़ छाया देता है तथा फल भी देता है। हमको रसीले फल खाना बहुत पसंद है। अमरुद के पेड़ में लाल अमरुद फरता है। लाल अमरुद इतना ज्यादा फरता है कि मेरी माँ उसे पूरे गाँव में बाँटती है। कच्चा आम का माँ अचार बनाती है। अचार पूरे परिवार मिलकर खाते हैं।

नाम-प्रियांशु कुमारी, वर्ग-5, गाँव रुइयां

जंगल में चहल-पहल

इतनी काहे शोर
बिल्ली बईठी घोड़े पर
चली जंगल की ओर
चीटी रानी चीनी लाई
गाय ने दिए दूध मलाई
चिड़िया ने चावल के साथ
मीठी खीर बहुत पकाई
भालू ने जब थाल सजाई
सजाके बन्दर मामा आ कर
बैठे और खीर खाना शुरू कर दिया

नाम अनामिका कुमारी, उम्र 9 साल
मियाँ के भटकन

मेरा पसंदीदा खाना

मुझको दाल और भात बहुत पसंद है
एक दिन जब मैं खाना खा रहा था तब
एक भीन-भिनाते हुए एक मक्खी आई
और वह आकर मेरे खाने में बैठ गयी
और मुझको बहुत गुस्सा आया फिर मैं
बेचारे चीटी को मार डाला। तो फिर मैं
बोला कि मेरे खाने में दखल देगी मैं
तुझको मार ही दूंगा।

नाम अंकित कुमार पटेल
उम्र 9 साल ग्राम गोंठी

खुले से प्रश्न

वह कौन सा चीज है जो
खाने के बाद मर जाता है?

वह कौन सी भाषा है जिसे
हम खा सकते है?

वह कौन सा चीज है जिसे
जितना निकालो उतना बड़ा
होगा?

नाम आयुष कुमार
गाँव गोंठी उम्र 12

कुल्फी, आम भाषा, गड्ढा।

आपबीती

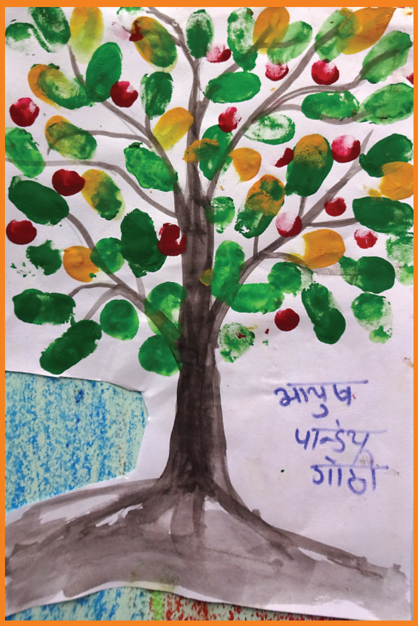

जब हम एक पौधा पर चढी तो बईर के पौधा पर चढी बईर तोरने के लिए और हमारे दोस्त हमारे साथ थी तो हम बईर तोरे तो मेरा पैर फिसिल गया तो हम पेड़ पर से गिर गये तो मेरा दोस्त हँसने लगी और हमको उठाई और मेरे चेहरे पर दागी अभी तब नहीं हटा है। और पैर पर भी चोट लगा है। बईर मेरे दोस्त सब रखी थी और हम हसने लगे तो सब बईर खा गई और कही कि निधु तुमको चोट जादा नहीं लगा है।

नाम निधु कुमारी ग्राम बंधु सलोना उम्र 12 वर्ष
कक्षा 9

पेड़-पौधा

एक पेड़ लगाओ ऐसा
झिलमिल तारो जैसा
पत्ते उसके बिस्कुट जैसा
फल हो टाफी जैसा
एक पेड़ लगाओ ऐसा
झिलमिल तारो जैसा
डाल पकड़कर उसे हिलाओ
झर झर बरसे पैसा
एक पेड़ लगाओ ऐसा
झिलमिल तारो जैसा

लक्ष्मी कुमारी उम्र 11
मियाँ के भटकन

अभिषेक कुमार, क्लास 3
गाँव संजलपुर

पेड़-पौधे

पेड़ो के कपड़े हैं पत्ते
पेड़ उन्ही को पहने रहते
पेड़ों के बसते में होता
खेल खिलौने सजाते रहते
पेड़ों का भी है संसार
पत्तो का भी है आकार
पत्तो को छुकर तो देखो
उनसे हाथ मिलाकर देखो

नाम कल्पना, वर्ग 8 गाँव गोंठी

चुटकुले

राकेश ने सुरेश से कहा कि
अगर मैं तुम्हारा सही वजन
इस कागज़ पर लिख दूंगा तो
तुम मुझे पचास रुपये दोगे
सुरेश राजी हुआ और राकेश
जीत गया उसने कागज पर
लिखा था तुम्हारा सही वजन।

प्रियम कुमारी, उम्र 9
गाँव बडहुलिया

हमारे बालचित्रकार

अलका कुमारी उम्र 10, गाँव बडहुलिया